



**Paper-6 (General Studies- IV)**  
**भाग-1: दर्शनशास्त्र / Part-1: PHILOSOPHY**  
**(75 Marks)**

[Visit](https://mainsorbit.com)

[mainsorbit.com](https://mainsorbit.com)

# Mains Practice Questions

## 2 Marks

1. Define Ethics and its role in human life.  
नैतिकता की परिभाषा दीजिए और मानव जीवन में इसका महत्व बताइए ।
2. What is the difference between knowledge (Jnana) and belief (Shraddha) in Indian philosophy?  
भारतीय दर्शन में ज्ञान और श्रद्धा में क्या अंतर है ?
3. Write a short note on the concept of Dharma according to Hindu philosophy.  
हिंदू दर्शन के अनुसार धर्म की संकल्पना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
4. What is empiricism in Western philosophy?  
पश्चात्य दर्शन में अनुभववाद (Empiricism) क्या है ?
5. Define Utilitarianism in ethics.  
नैतिकता में उपयोगितावाद (Utilitarianism) को परिभाषित कीजिए ।
6. Write a note on the concept of Maya in Advaita Vedanta.  
अद्वैत वेदांत में माया की संकल्पना पर टिप्पणी दीजिए ।
7. What is meant by 'Categorical Imperative' according to Kant?  
कान्त के अनुसार 'Categorical Imperative' का क्या अर्थ है ?
8. Define social contract theory in brief.  
सामाजिक अनुबंध सिद्धांत को संक्षेप में परिभाषित कीजिए ।

## 4 Marks

9. Explain the main ideas of Nyaya theory of knowledge (Pramanas).  
ज्ञान के न्याय सिद्धांत (प्रमाण) के मुख्य विचारों को समझाइए ।
10. Compare materialism and idealism in Western philosophy.  
पश्चात्य दर्शन में भौतिकवाद और आदर्शवाद की तुलना कीजिए ।
11. Write a short note on Satyagraha as a moral principle.  
सत्याग्रह को एक नैतिक सिद्धांत के रूप में समझाइए ।
12. Explain briefly the ethical teachings of Buddha.  
बुद्ध के नैतिक उपदेशों को संक्षेप में समझाइए ।
13. What is the concept of Karma in Indian philosophy?  
भारतीय दर्शन में कर्म की संकल्पना क्या है ?

### 8 Marks

14. Critically examine Hume's theory of causation.

ह्यूम के कारणता सिद्धांत की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

15. Explain the significance of Satya and Ahimsa in Indian ethics.

भारतीय नैतिकता में सत्य और अहिंसा का महत्व समझाइए ।

16. Discuss the concept of Dharma and its relevance in modern society.

धर्म की संकल्पना और आधुनिक समाज में इसका महत्व पर चर्चा कीजिए ।

### 15 Marks

1. Critically analyze the differences between Western idealism (Hegel/Bradley) and Indian Advaita Vedanta.

पश्चात्य आदर्शवाद (हेगल/ब्रेडले) और भारतीय अद्वैत वेदांत के बीच अंतरों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

Or

Explain the role of ethics in administration and decision making. Provide examples.

प्रशासन और निर्णय निर्माण में नैतिकता की भूमिका समझाइए। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।

[mainsorbit.com](http://mainsorbit.com)